

विशेष रिपोर्ट अक्टूबर 2022

काँटन, अरंडी और ग्वारसीड

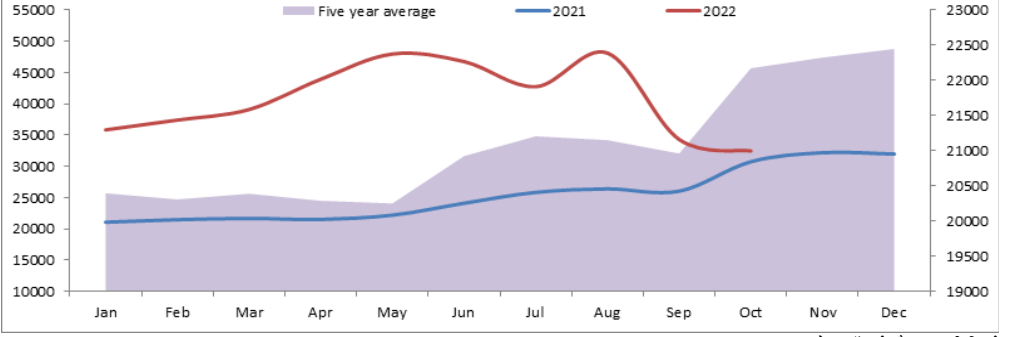


Moneywise. Be wise.

अहम कारक

- चल रही कटाई गतिविधियां
- चीन का धागे का आयात बढ़ाना
- भारत में घटते वस्त्र उत्पादन
- अक्टूबर-दिसंबर में निर्यात का मौसमी रुझान

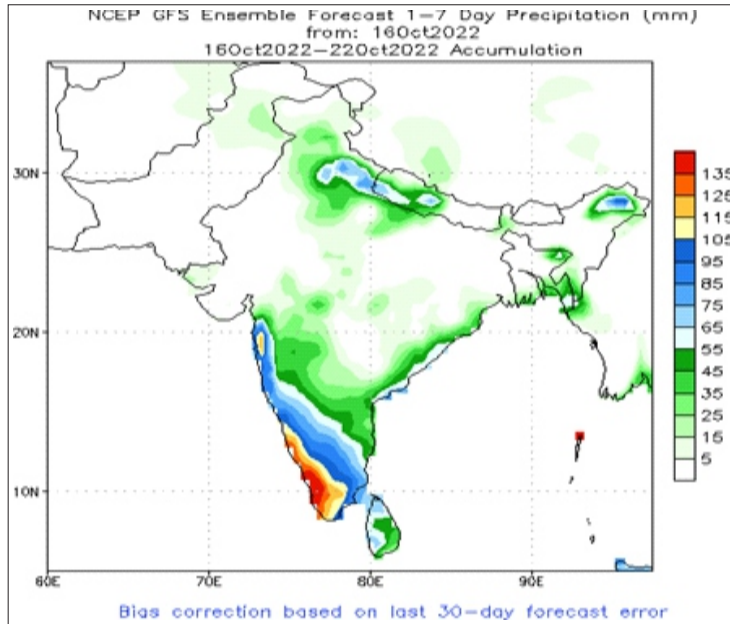
काँटन की कीमतों का मौसमी पैटर्न (रु/बेल में)



स्रोत : रॉयटर्स और एसएमसी रिसर्च

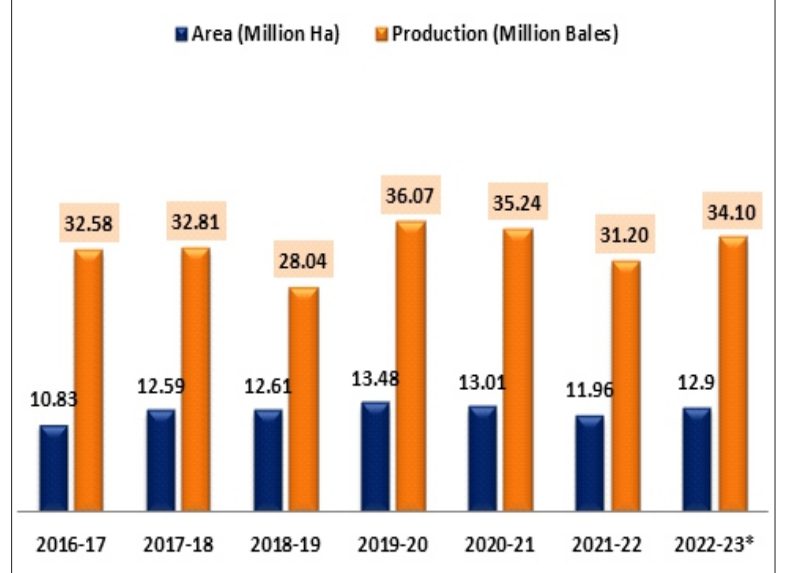
बेहतर उत्पादन अनुमान के बीच भौतिक बाजार में सुस्त मांग को देखते हुए सितंबर 22 में काँटन की कीमतों में लगातार दूसरे महीने गिरावट हुई है। काँटन की कीमतें अगस्त 22 के 51090 के उच्च स्तर से लगभग 39% गिर गईं और सितंबर 22 में 31050 पर बंद हुई है। लेकिन, मुख्य रूप से भारत के उत्तरी भाग में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के कारण उपज के नुकसान की आशंका से कीमतों में कुछ रिकवरी हुई है। अक्टूबर में पंजाब में आवक की धीमी गति ने भी कीमतों को हाल के निचले स्तर से उबरने में मदद की।

अब तक काँटन की कीमतों में उतार-चढ़ाव इसकी मौसमी रुझान के अनुरूप रहा है और अक्टूबर-दिसंबर के दौरान इसकी कीमतों में वृद्धि होगी। पड़ोसी देशों से मांग और सर्दियों के मौसम में घरेलू बाजार में मांग आमतौर पर अक्टूबर-दिसंबर में बढ़ जाती है जिससे सर्दियों के मौसम में कपास की कीमतों को तेजी के रुझान के साथ कारोबार करने में मदद मिलती है। लेकिन मुख्य रूप से मांग की चिंताओं के कारण चालू वर्ष में कीमतों में वृद्धि सीमित रहेगी।



स्रोत : भारत का मौसम विभाग और डीजीएफटी

भारत में कपास का उत्पादन और उत्पादन क्षेत्र



आउटलुक:

मांग की चिंताओं के कारण छोटी अवधि में काँटन की कीमतों में गिरावट की संभावना है। बाजार में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की सीमित उपलब्धता के कारण मिलें आमने-सामने खरीदारी कर रहे हैं क्योंकि अक्टूबर में होने वाली आवक में नमी की मात्रा काफी अधिक है। इसके अलावा, चीन को कपास निर्यात की कम संभावना और भारत में सूती धागे की आसान उपलब्धता से भी निकट भविष्य में कीमतों पर दबाव बढ़ेगा। मध्य और साथ ही भारत के उत्तरी भाग में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण आवक की मात्रा बढ़ने की संभावना है जो कटाई गतिविधियों को सुविधाजनक बनाएगी।

लेकिन अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में कीमतों को समर्थन मिल सकता है क्योंकि दिवाली के बाद मांग में सुधार की संभावना है। निर्यात की मौसमी रुझान से पता चलता है कि भारत से कुल

काँटन

कपास निर्यात का लगभग 30-40% अक्टूबर-दिसंबर में प्राप्त किया जाता है। बांग्लादेश और अन्य एसईए देशों से निर्यात मांग में अपेक्षित वृद्धि से अक्टूबर के बाद के हिस्से में कीमतों में तेजी दर्ज करने में मदद मिलेगी। भारतीय रुपये के कमजोर होने से कच्चे कपास और कपड़ा निर्यात की संभावनाओं में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन आयात को केवल अतिरिक्त-लंबे स्टेपल कपास तक सीमित रख सकता है। तकनीकी रूप से, एमसीएक्स पर काँटन (नवंबर) वायदा की कीमतें अल्पावधि में 26700 के सपोर्ट स्तर तक लुढ़क सकती है और 35000 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

काँटन (एमसीएक्स) की कीमतों का साप्ताहिक चार्ट



स्रोत : रॉयटर्स और एसएफसी रिसर्च

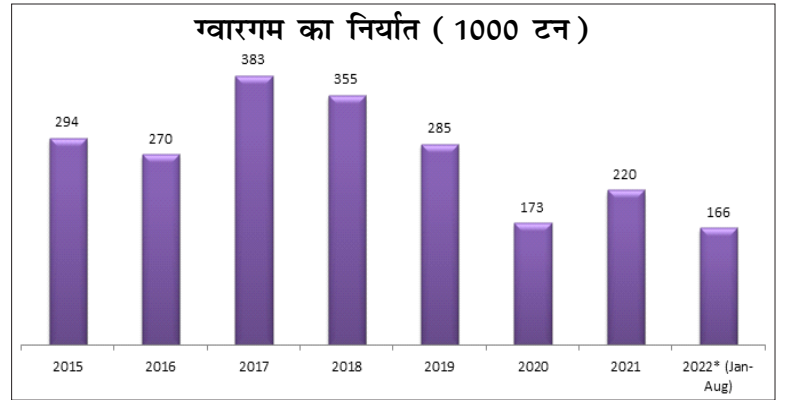
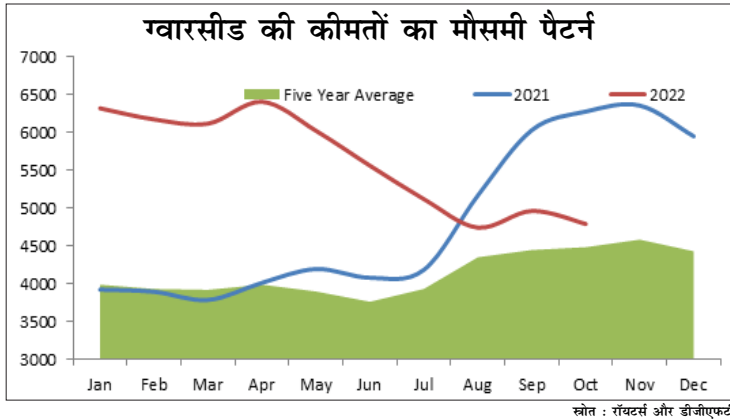
अहम कारक

- मौजूदा फसल कटाई
- बंपर फसल आउटलुक
- कमजोर निर्यात मांग
- प्रतिकूल मौसम के कारण उत्पादकता में कमी

सितंबर 22 में ग्वारसीड की कीमतों में गिरावट पर रोक लग गई क्योंकि राजस्थान में सूखे के कारण उपज के नुकसान की आशंका से कीमतों में 4% की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, सितंबर-22 में राजस्थान और हरियाणा में बेमौसम बारिश ने भी किसानों के बीच फसल वृद्धि को लेकर चिंता बढ़ा दी और जिससे सितंबर-22 के दौरान कीमतों में मजबूती देखने को मिली। लेकिन, मुख्य रूप से सुस्त औद्योगिक मांग के कारण अक्टूबर-22 में कीमतों में गिरावट शुरू हुई। खाद्य सामग्री की कीमतों में गिरावट का असर चूड़ी और कोरमा की मांग पर भी पड़ा, जिसका असर बाजार के सेंटिमेंट पर पड़ा। एनसीडीईएक्स में 5392 के उच्च स्तर को छूने के बाद, सबसे सक्रिय ग्वारसीड नवंबर कॉन्ट्रैक्ट की कीमतें अक्टूबर-22 में 4792 तक लुढ़क गईं।

कटाई की गतिविधियों के बढ़ने के साथ ही आवक शुरू हो गई है। मौसम की स्थिति में सुधार हुआ है और चल रही कटाई गतिविधियों को सुविधाजनक बनाया गया है। 1 अक्टूबर से शुरू बाजार वर्ष 2022-23 में अब तक लगभग 20.4 हजार टन ग्वारसीड प्रमुख एपीएमसी मंडियों में आ चुकी है जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि के 9.7 हजार टन की आवक हुई थी। आने वाले समय में राजस्थान में शुष्क मौसम को देखते हुए आवक में और सुधार होने की उम्मीद है।

वर्ष 2022 में अब तक ग्वारगम की निर्यात मांग अच्छी रही है क्योंकि भारत ने जनवरी-अगस्त 22 की समयावधि के दौरान पिछले वर्ष के 138.9 हजार टन की तुलना में लगभग 166.4 हजार टन निर्यात किया है। अमेरिका, रूस, जर्मनी और चीन भारतीय ग्वारगम के सबसे बड़े खरीदार रहे हैं जिनका भारत से कुल निर्यात का लगभग 55% हिस्सा है। वैश्विक आर्थिक मंदी के उभरते डर के कारण आने वाले महीनों में ग्वारगम की निर्यात मांग घटने की उम्मीद है। यूरोपीय संघ के देशों द्वारा रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाने के साथ, रूस से कच्चे तेल के निर्यात में हाल के महीनों में गिरावट हुई है और आने वाले महीनों में भी कमजोर रहने की संभावना है जिससे भारत से रूस में ग्वारगम आयात में बाधा आएगी। तेल ड्रिलिंग उद्योग में उपयोग किए जाने वाले अत्यधिक प्रभावी फ्रैक्चरिंग तरल पदार्थ के रूप में, ग्वार गम ने तेल और गैस उद्योग में अपनी जगह मजबूत कर ली है। चल रही आर्थिक मंदी के कारण कच्चे तेल की वैश्विक मांग सुस्त रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख खरीददार देशों से ग्वारगम के आयात में गिरावट आएगी।



आउटलुक

उपरोक्त फंडामेंटल को ध्यान में रखते हुए, ऐसा लगता है कि आने वाले हफ्तों में ग्वारसीड की कीमतों में गिरावट जारी रह सकती है। बढ़ते आवक दबाव और कमजोर निर्यात संभावनाओं से निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतों में अधिक गिरावट होने की संभावना है। कीमतें 4665 सपोर्ट स्तर के नजदीक कारोबार कर रही हैं, और इस स्तर से नीचे टूटने पर 4100 तक गिरावट की संभावना है।

ग्वारसीड की कीमतों का साप्ताहिक चार्ट

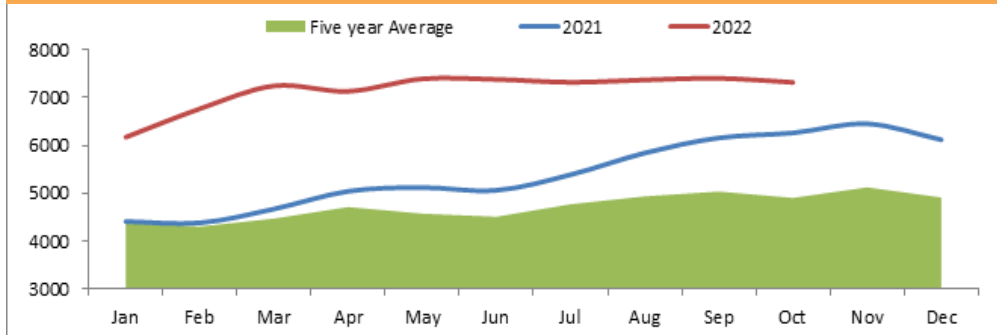


अरंडी (कैस्टरसीड)

अहम कारक

- चीन से अरंडी के तेल की सुस्त मांग
- चल रही कटाई गतिविधियां
- कम उत्पादन अनुमान
- कम कैरी ओवरस्टॉक

अरंडीसीड की कीमतों का मौसमी पैटर्न

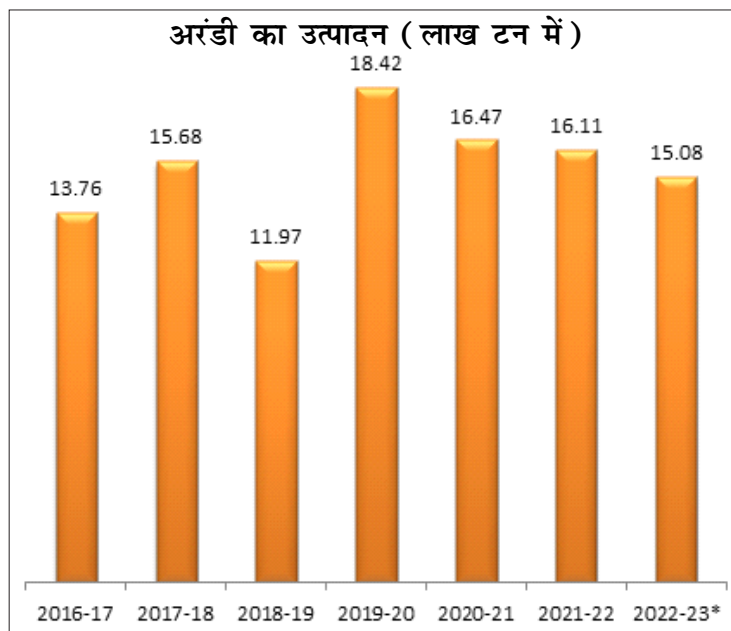


Source: Reuters and SMC Research

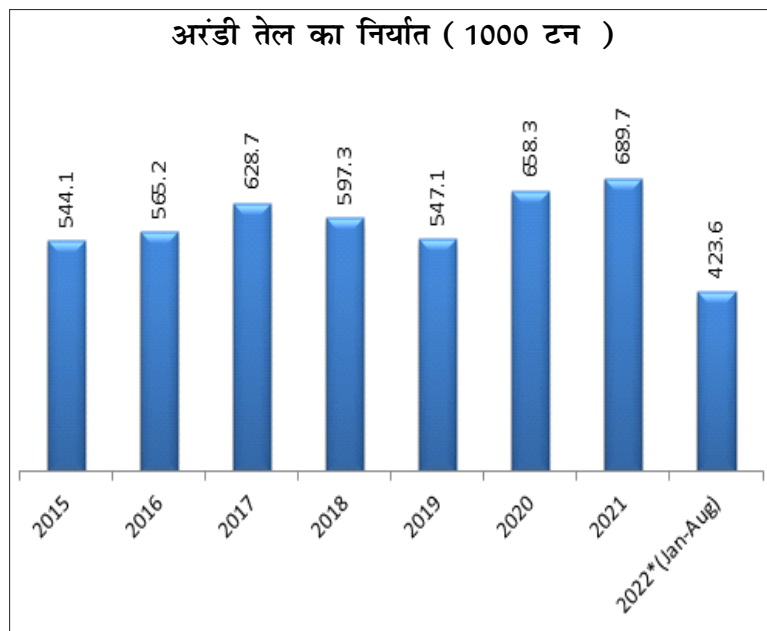
वर्ष 2021-22 (अक्टूबर 21- सितंबर 22) में सप्लाई की कमी के कारण जोरदार तेजी दर्ज करने के बाद, बाजार में सीमित उपलब्धता के कारण अरंडी की कीमतें सितंबर-22 में तेजी के रूझान के साथ कारोबार किया। लेकिन अक्टूबर-22 में नई फसल की आवक शुरू होने के बाद कीमतों में गिरावट हुई। फसल की बेहतर संभावनाओं और अरंडी के तेल और अरंडीमिल जैसे उप-उत्पादों की सुस्त मांग ने कीमतों पर दबाव डाला। मई-22 में 7798 के उच्च स्तर को छूने के बाद, अक्टूबर-22 में अरंडी की कीमतों में अब तक लगभग 9% की गिरावट हुई है। सीजनल पैटर्न को देखते हुए, आवक बढ़ने के बाद अक्टूबर में कीमतों में अधिक गिरावट आ सकती है।

अक्टूबर 22 में अरंडी की आवक धीमी रही है क्योंकि वर्ष 2022-23 में अब तक लगभग 16 हजार टन अरंडी की आवक हुई है, जो अक्टूबर 22 में शुरू हुई थी, जिसमें पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान 19.7 हजार टन अरंडी की आवक हुई थी। एक बार कटाई गतिविधियों में तेजी आने के बाद आने वाले हफ्तों में आवक बढ़ने की संभावना है। अरंडी का रकबा साल 2022-23 में साल-दर-साल 18% बढ़कर 8.92 लाख हेक्टेयर हो गया, जो पिछले साल 7.55 लाख हेक्टेयर था।

उत्पादन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद, कृषि मंत्रालय द्वारा जारी पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार अरंडी का कुल उत्पादन वर्ष-दर-वर्ष 6% घटकर 15.08 लाख टन होने का अनुमान है।



स्रोत : भारत का कृषि मंत्रालय और डीजीएफटी



आउटलुक

आपूर्ति की बेहतर संभावनाओं के कारण आने वाले हफ्तों में अरंडी (नवंबर) वायदा की कीमतों के नरमी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। आवक में मौसमी बढ़ोतरी और मिल मालिकों की जरूरत के आधार पर खरीदारी से कीमतों पर दबाव बने रहने की संभावना है। अरंडी के तेल के निर्यात की धीमी गति को देखते हुए मिलें थोक खरीदारी से दूरी रख रही हैं। चीन से मांग कम होने के कारण निर्यात की संभावना धूमिल दिख रही है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में स्टॉक में वृद्धि होगी।

अरंडीसीड की कीमतें अभी भी पिछले साल की तुलना में साल-दर-साल 8% अधिक हैं, जिससे स्टॉकिस्ट और किसान सुस्त निर्यात की संभावना के मद्देनजर अपने स्टॉक को बाजार में जारी

अरंडी (कैस्टरसीड)

कर सकते हैं। लेकिन अरंडी की कीमतों में बड़ी गिरावट पिछले वर्ष के कम कैरीओवर स्टॉक के कारण सीमित रहने की संभावना है, जिसमें वर्ष 2022 का उत्पादन भी कम है। तकनीकी रूप से, अरंडी (नवंबर) वायदा मुख्य रूप से मांग की चिंताओं के कारण निकट भविष्य में 6700 तक फिसल सकता है और 7500 के स्तर पर रेजिस्टेंस रह सकता है।

अरंडी की कीमतों का साप्ताहिक चार्ट



स्रोत : रॉयटर्स और एसएमसी रिसर्च

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिस्कोरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाएं और संबंधित सेवाएं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिस्कोरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बांभे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्यूनिटी नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मंचेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एमएफएआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिस्कोरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसेच एनालिस्ट) रजुलेशन 2014 के तहत रिसेच एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिस्कोरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिस्कोरिटीज मार्केट/कॉमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निषेधित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसेच एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसेच एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एल्टर द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

दिसक्लेमर: यह रिसेच रिपोर्ट अधिकृत प्राणकर्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सन्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विरुद्ध सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उदाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सलाह की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने धिक्के का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉपरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और यह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विचार हो सकता है। सभी विचारों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश होगा।